

bio-gas development. Details of the scheme are being worked out.

(c) No such measure is under consideration.

(d) Question does not arise.

### Integrated Education of Disabled

5566. SHRI RAJESH KUMAR SINGH:

SHRI B. D. SINGH:

SHRI RASHEED MASOOD:

Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government had introduced a scheme for the integrated education of the handicapped sometime in 1974;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government have made any assessment with regard to the success or otherwise of the scheme; and

(d) if so, the result of the assessment made and the steps contemplated by Government in the matter?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) to (d) The scheme for the integrated education of the handicapped was introduced in 1974. The scheme provided for payment of salary and special pay of Rs. 25/- per month to the teachers, transport allowance of Rs. 25/- per month for 10 months, books and stationery allowance of Rs. 150/- per child per year, equipment allowance of Rs. 500/- per child to each handicapped child, assessment of children and attendant for severely handicapped children and etc. The scheme is operated through the State Governments. 50 per cent cost on these items was met by the Central Government. The progress under this scheme has

been slow and 2177 handicapped students are getting education in the normal schools under this scheme at present.

2. The scheme has recently been revised. The entire cost of the scheme will now be met by the Central Government. In the revised scheme provision has been made for setting up of assessment centre for assessing children to be integrated in the normal school system, payment of higher rate of special pay to the teachers engaged in teaching of handicapped children in such schools, setting up of resource room and removal of architectural barriers in schools and higher rate of equipment allowance, transport allowance and escort allowance for handicapped children. Provision has also been made for meeting the cost of boarding and lodging in respect of children the income of whose parents is less than Rs. 750/- per month and for training of teachers. Setting up of pre-school-cum-parent counselling unit is also envisaged in schools under this scheme.

खादी ग्रामोद्योग भवन, नई दिल्ली के माध्यम से आयोग द्वारा निमित्त/गेर सरकारी स्रोत से प्राप्त माल का दुरु्य और बिक्री

5567. श्री राम सिंह शाक्य : क्या आरक्षण पुनर्निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग द्वारा स्वयं कौन-कौन सी वस्तुएं बनाई जाती हैं और ऐसी कौन-कौन सी वस्तुएं हैं, जिनके उत्पादन के लिए आयोग द्वारा ऋण आदि के रूप में सहायता दी जाती है ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान उनमें से किन-किन वस्तुओं की नई दिल्ली के

खादी भवन के माध्यम से बिक्री की गई और इस बिक्री की कुल राशि क्या है ; और

(ग) खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग द्वारा तथा गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा निर्मित ऐसी वस्तुओं का जो वर्ष 1979-80 के इतिशेष माल में सम्मिलित थीं, पृथक-पृथक मूल्य क्या है ?

कृषि और ग्रामीण पुनर्निर्माण जंगलाल में राज्य मंत्री (श्री बाबेश्वर राम) :

(क) खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग और राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्डों द्वारा सहायित संस्थाएँ/सहकारी संस्थापितियाँ तथा कारीगरों द्वारा खादी (सूती, सिल्की तथा ऊनी) और खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम जिसमें ग्रामीण उद्योगों की नामावली में संशोधन करने और नए ग्रामीण उद्योगों को शामिल करने हेतु समय-समय पर संशोधन किया गया है, की अनुसूची में दी गई 25 ग्रामीण उद्योग की वस्तुएं तयार की जाती हैं। उदाहरित की जाने वाली मुख्य वस्तुएं संलग्न विवरण में दर्शाई गई हैं।

(ख) खादी ग्रामोद्योग भवन, नई दिल्ली में बिक्री के लिए ये वस्तुएं रखी गई हैं : खादी (सूती, ऊनी तथा सिल्की) खादी के सिले-सिलाए कपड़े— पहने जाने वाले तथा बिना पहने जाने वाले कपड़े जैसे पदों, तौलिए, चादरें, सूती दरियाँ, दस्तकारी की वस्तुएं, जूतों और चमड़े की वस्तुओं जैसे ग्रामीण उद्योग उत्पाद, खाद्य तेल, हाथ से बना कागज, कपड़े धोने तथा नहाने का साबुन, शहद, पापड़, मसाले, अलंकारितियाँ, रेशा, बेंत तथा बांस की वस्तुएं। वर्गीकृत हस्तशिल्प की वस्तुएं जिनका विनिर्माण खादी तथा ग्रामोद्योग क्षेत्र में नहीं होता है, भी बेची जाती हैं। पिछले तीन

वर्षों की बिक्री के आंकड़े निम्न प्रकार हैं :

वर्ष	लाख रुपये में
1977-78	310.64
1978-79	320.10
1979-80	329.45

(ग) उत्पादों के इतिशेष स्टॉक अधिप्राप्ति के खेत-वार नहीं रखे जाते हैं। 31-3-80 को खादी का 72.87 करोड़ रुपये का इतिशेष स्टॉक था। ग्रामीण उद्योग यूनियन देशभर में फैली हुई हैं और इतिशेष स्टॉकों के मूल्य के बारे में सूचना उपलब्ध नहीं है।

#### विवरण

- खादी : सूती, सिल्की तथा ऊनी वस्त्र और सिलेसिलाए कपड़े, शालें, कम्बल, पोशाक सामग्री इत्यादि।
- आज का विधायन, डिब्बाबन्दी उद्योग :—विभिन्न प्रकार का अनाज तथा दालें, बेकरी की वस्तुएं, कूटे हुए चावल, मुरमुरे, मसाले, पापड़ आदि।
- ग्रामीण चमड़ा :—चमड़े से बनी वस्तुएं, जूते ;
- गुड़ तथा खण्डकारी उद्योग :—गुड़ तथा खण्डकारी
- मधुमक्खी पालन उद्योग :—शहद तथा मोम।
- रेशा उद्योग : रस्सियाँ, थैले, चटाव हयाँ, मेजपोश, पदों जैसी रेशे से बनी वस्तुएं।
- बहुईगिरी तथा लोहारी : फर्नीचर, औजार तथा उपकरण।
- लाख : लाख।

9. वन पर आघारित पौधों का एकत्रीकरण :—औषधियों के पौधे तथा फल ।
10. बेंत तथा बांस उद्योग :—बेंत तथा बांस की वस्तुएं ।
11. गोंद तथा राल उद्योग :—विभिन्न प्रकार का गोंद तथा राल ।
12. घानी तेल उद्योग :—विभिन्न प्रकार का तेल ।
13. माचिस तथा अग्ररबत्ती उद्योग :—माचिस, पटाखे तथा अग्ररबत्तियां ।
14. ताड़ गुड़ उद्योग :—ताड़ गुड़, ताड़ मिश्री तथा ताड़ की पत्तियों की सजावटी वस्तुएं, ब्रुश, टोकरियां आदि ।
15. ग्रामीण कुम्हारी उद्योग :—कुम्हारी वस्तुएं, ईटें, मिट्टी के बर्तन, मिट्टी की नलियां, आदि ।
16. हस्त निर्मित कागज उद्योग :—विभिन्न प्रकार का हाथ से बना कागज ।
17. चूना उद्योग :—चूना, लिम्पो सीमेंट ।
18. फल विधायन तथा परिष्करण :—डिब्बाबन्द फल तथा अचार ।
19. एल्यूमिनियम के घरेलू बर्तन :—एल्यूमिनियम के बर्तन ।
20. कुटीर साबुन उद्योग :—अखाद्य तेल, नहाने तथा कपड़े धोने का साबुन ।
21. कत्था बनाना :—कत्था ।
22. लोक वस्त्र तथा पालीवस्त्र :—वस्त्र, पोशाक सामग्री ।

### Khajuraho Festival of Dances

5568. SHRI R. P. GAEKWAD;  
SHRI BHIKHU RAM JAIN:

Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:

(a) whether his attention had been drawn to the news item published in newspapers that the Khajuraho Festival of Dances organised by the Madhya Pradesh Tourism Development Corporation enables the idol thieves to steal the images and lift valuable pieces lying throughout the Bundelkhand region;

(b) if so, whether Government issue immediate orders for the withdrawal of the permission to hold function within the Khajuraho Temple complex; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) There was such a news item recently in a national daily newspaper.

(b) and (c) The festival this year has already been held.

Permission for holding the festival within the protected complex had been granted on stipulated terms and conditions. Even so, keeping in view the interest of the monument and the lawn attached thereto, it has been suggested to the Govt. of M. P. that future programmes may be organised outside the protected limits so that the monuments are not in any way damaged.

### Operation Flood Programme and its Impact

5569. SHRIMATI PRAMILA DANDAVATE: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) since when the operation flood scheme for Dairy Development has started functioning;